



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक  | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|---------|--------------|------|
| ११०१ क ज्ञा१२०१    | २१-६-२३ | ५            | ३-६  |

## युवा मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाएं

जागरण संबद्धाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया। प्रशिक्षण में हरियाणा प्रांत के विभिन्न जिलों जैसे हिसार, फतेहबाद, जींद, भिवानी, करनाल, पानीपत, रोहतक, रेवाड़ी के प्रशिक्षणार्थियों ने भी भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है। भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित युवक व युवतियां इसे स्वरोजगार के रूप में अपना सकते हैं तथा सारा वर्ष भी मशरूम की



प्रशिक्षण के समापन अवसर पर उपस्थित विशेषज्ञ व प्रशिक्षणार्थी। • विज्ञापि

विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन हैं। इसमें कई तरह के पौधिक तथा मशरूम, ओयस्टर या ढींगरी, मिलकी या दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मशरूम एक संतुलित आहार

रहा है। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि अभी हाल ही में हरियाणा प्रान्त में 21500 मीट्रिक टन मशरूम का उत्पादन हुआ। उसमें लगभग 99 प्रतिशत से ज्यादा उत्पादन सफेद बटन मशरूम का ही है। दिल्ली, लुधियाना, चंडीगढ़ के इलाका कई अन्य छोटे बड़े शहरों के साथ-साथ गांवों में भी इसकी मांग बनी रहती है। प्रशिक्षण के आयोजक डा. सतीश कुमार ने बताया कि ढींगरी व दूधिया मशरूम का उत्पादन भी लिया जा सकता है। प्रशिक्षण में विशेषज्ञ डा. जगदीप सिंह, डा. डीके शर्मा, डा. राकेश कुमार चूध, डा. विकास कम्बोज, डा. अमोघवर्षा, डा. निर्मल कुमार, डा. संदीप भाकर, डा. सरोज यादव, डा. भूपेन्द्र सिंह, डा. पवित्रा पुनिया ने व्याख्यान दिए।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक  | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|---------|--------------|------|
| अजीत समाचार        | २१-६-२३ | ५            | ५-६  |

**बेरोजगार व भूमिहीन युवा मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाएँ : प्रो. काम्बोज**

**हृषि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ**



मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर उपस्थित विशेषज्ञ व प्रशिक्षणार्थी।

हिसार, 20 जून (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया। इस प्रशिक्षण में हरियाणा प्रांत के विभिन्न जिलों जैसे हिसार, फतेहाबाद, जींद, भिवानी, करनाल, पानीपत, रोहतक, रेवाड़ी के प्रशिक्षणार्थीयों ने भी भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने बताया कि

केंद्रीय मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है। भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित युवक व युवतियां इसे स्वरोजगार के रूप में अपना सकते हैं तथा सारा वर्ष भी मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या ढींगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसलिए भूमिहीन या बेरोजगार युवा मशरूम उत्पादन को स्व-रोजगार के रूप में अपनाएँ।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने बताया कि सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान सफेद बटन मशरूम के अलावा दूसरी कई तरह की मशरूम की प्रजातियों को भी बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक कर रहा है। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि अभी हाल ही में हरियाणा प्रान्त में 21500 मैट्रिक टन मशरूम का उत्पादन हुआ, जिसमें लगभग 99 प्रतिशत से ज्यादा उत्पादन सफेद बटन मशरूम का ही है। दिल्ली, लुधियाना, चंडीगढ़ के इलावा कई अन्य छोटे बड़े शहरों के साथ साथ गावों में भी इसकी मांग बनी रहती है और इसको बेचने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पुत्र का नाम | दिनांक  | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---------------------|---------|--------------|------|
| मन्न मन्न           | 21-6-23 | ५            | ७-८  |

## बेरोजगार व भूमिहीन युवा मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाएँ: प्रो. काम्बोज

### ● हृषि में प्रशिक्षण का हुआ समापन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया। इस प्रशिक्षण में हरियाणा प्रांत के विभिन्न जिलों जैसे हिसार, फतेहबाद, जींद, भिवानी, करनाल, पानीपत, रोहतक, रेवाड़ी के प्रशिक्षणार्थियों ने भी भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है। भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित युवक व युवतियां इसे स्वरोजगार के रूप में अपना सकते हैं तथा सारा वर्ष भी मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओवस्टर या ढींगरी, मिल्की वा दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है।

सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इसलिए भूमिहीन या बेरोजगार युवा मशरूम उत्पादन को स्व-रोजगार के रूप में अपनाएँ। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मण्डल ने बताया कि सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान सफेद बटन मशरूम के अलावा दूसरी कई तरह की मशरूम की प्रजातियों को भी बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक कर रहा है।

संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि अभी हाल ही में हरियाणा प्रांत में 21500 मैट्रिक टन मशरूम का उत्पादन हुआ, जिसमें लगभग 99 प्रतिशत से ज्यादा उत्पादन सफेद बटन मशरूम का ही है। दिल्ली, लुधियाना, चंडीगढ़ के इलावा कई अन्य छोटे बड़े शहरों के साथ साथ गांवों में भी इसकी मांग बनी रहती है और इसको बेचने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है। इस प्रशिक्षण में विशेषज्ञ डॉ. जगद्वीप सिंह, डॉ. डी के शर्मा, डॉ. राकेश कुमार चूध, डॉ. विकास कम्बोज, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. सदीप धाकर, डॉ. सरोज यादव, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. पवित्रा पुनिया सहित अन्य विशेषज्ञों ने अपने-अपने संबंधित विषयों में व्याख्यान दिए।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक    | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|-----------|--------------|------|
| दृष्टि भूमि        | २१. ६. २३ | १०           | ३-४  |

## बेटोजगार व भूगिहीन युवा मरणों उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाएँ : कुलपति

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है। भूगिहीन शिक्षित एवं अशिक्षित युवक व युवतियां इसे स्वरोजगार के रूप में अपना सकते हैं तथा सारा वर्ष भी मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयरस्टर या ढींगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल गैरिम के ठिसाब से

- एवरेयू में इसका उत्पादन किया जा सकता है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समाप्त कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस प्रशिक्षण में हरियाणा प्रांत के विभिन्न जिलों जैसे हिसार, फतेहबाद, जींद, मिवानी, करनाल, पानीपत, रोहतक, रेवाड़ी

के प्रशिक्षणार्थियों ने भी मान लिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवाल सिंह मडल, संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा, डॉ. सतीश कुमार, विशेषज्ञ डॉ. जगदीप सिंह, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. राकेश कुमार चूध, डॉ. विकास कम्बोज, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. संदीप माकर, डॉ. सरोज यादव, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. पवित्रा पूनिया आदि विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक     | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| सिटी पल्स          | 20.06.2023 | --           | --   |

हफ्तवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण संपन्न

# मशरूम ऐसा व्यवसाय जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है : प्रो. कांबोज

सिटी पल्स चूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा हक्की विश्वविद्यालय हिसार के साथना नेहवाल हक्की प्रैदोगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया। इस प्रशिक्षण में हरियाणा प्रांत के विभिन्न जिलों जैसे हिसार, फतेहपाल, जीद, खिंवानी, करनाल, पानीपत, गोहत्रक, रोटांडी के प्रशिक्षणार्थियों ने भी भाग लिया।

कुर्सपाति प्रो. बी.आर. कांबोज ने बताया कि मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित युवक व पुरुषियाँ इसे स्वयंभाग के रूप में अपना सकते हैं तथा मारा बर्ध भी मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें



व्यावसायिक प्रशिक्षण के समाप्त अवलोकन पर गौवृद्ध प्रतिक्रिया व अधिकारी।

सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या द्विंगयी, निल्की या दूधभणा मशरूम, भान के पुवाल की मशरूम इलाईट डगाकर मारा गाय साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। सख्त द्वाया भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसलिए

भूमिहीन या बेरोजगार युवा मशरूम उत्पादन को स्व-रोजगार के रूप में आनंद।

कुलसमीचित एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह भण्डाल ने बताया कि साथना नेहवाल हक्की प्रैदोगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान सफेद बटन मशरूम के अनावा दूसरे कई तरह की मशरूम

की प्रजातियों को भी बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक कर रहा है। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदास ने बताया कि अपी तात्त्व ही में हरियाणा प्रान्त में 21500 मैट्रिक टन मशरूम का उत्पादन हुआ, जिसमें लगभग 99 प्रतिशत से ज्यादा उत्पादन सफेद बटन मशरूम का ही है। इस प्रशिक्षण के अध्योक्षक डॉ. सलीम कुमार ने बताया कि हरियाणा में उद्घाटन निकास बेवल सर्दी के मौसम में सफेद बटन सूखे की काशत करते हैं किन्तु इसके इलावा दूसरी मशरूम जैसे द्विंगयी व दूधभणा मशरूम का उत्पादन भी लिया जा सकता है किन्तु लोगों में अज्ञानता की बजाए से लोग दूसरी सूखों का सेवन नहीं करते और सूख उत्पादकों द्वारा इन सूखों की विश्वे में दिक्षित महसूस होते हैं।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक     | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| नम छोर             | 20.06.2023 | --           | --   |

## मशालुम उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाएं युवा : प्रो. काम्बोज



वर्ष-छोटे वर्षान् ॥ 20 लंग  
हिमार। चायरी चाप सिंह  
हरियाणा कुपी विश्वविद्यालय के  
सम्बन्ध में तेजवल तृष्णी प्रेसेक्टरीका,  
प्रशिक्षण एवं लिखा रास्तावन में  
मालारम उत्पादन कार्यक्रम विवरण पर  
तीन विभिन्न प्रशिक्षण वाले सम्पर्क  
किया गया। इस प्रशिक्षण में हरियाणा  
प्रांत के विभिन्न जिलों जैसे हिमार,  
करठीबाद, जार, घिरावा,  
करठीर, पालीवाल, दोलाल, राजदौड़ी  
के प्रशिक्षणार्थी ने भी आग लिया।  
विश्वविद्यालय के कुलाधित प्रो.  
शी.ओ.आर. कालांक ने चालाक  
मानस एवं एक ऐसा व्यवस्थापन है जिसके  
काम से कम सालाह में शुरू विद्या जा  
सकता है। उपर्युक्त, विविध एवं  
अंतिमित युवक व सूचीवाली इसे  
स्वारोजगार के रूप में अपना सकते  
हैं तथा सारा वर्ष भी मालारम के  
विभिन्न प्रशिक्षण के संपर्क  
बढ़ाव देना चाहिये, और यहां या ऊपरी,  
सिल्वरी या दुर्घाना पश्चात्य, जान के  
युवाल को मालारम इन्हाँने उत्तराय  
साथ दाला तो यहां के विद्यार्थी  
इसका उत्पादन किया जा सकता है।  
उन्होंने जल्दी कि मालारम एक

सर्वोन्नित आवाज़ पर इसमें कई तरह के पौरीक तरह औपचार्य नाम भी लिख दी गयी हैं, जिसके प्रत्यावरक उद्देश नियमित संख्या से अधिक भी रोमां प्रथा के बजाए में संख्याकृति होती है। प्राचीन उत्तराधिकार के लिए कौन्ते अधिकारी वह दासवालात किया जाता है जिसमें स्थान सुधार की सुनिश्चिता के साथ-साथ वापु प्रदर्शन से भी नियमित लिखते हैं।

विष्वविद्यालय के कूलस्त्रिय एवं विद्यार्थी जिनका विद्यालय डॉ. जलवालन सिंह प्राप्तकर्ता ने बताया नियमावधि वैद्यकी कुर्सी प्रोफेसियनल, प्राचीनकाल एवं विद्या संस्कृत संस्कृत वर्णन मार्गमन के बताया नियमावधि कर्ता तक वही भवानीकृत द्रव्यादिकों को भी बदलाव देने के लिए लोगों को जागरूक कर रखा है।

चर्चावाहक के लक्षणों का अन्य स्रोत  
जब शासी के साथ साथ यात्रों में भी  
इसको पाया जाने लगता है और  
इसको बचपन में किसी गहर की  
विकल्प नहीं होती है।

इस प्रश्नका का आधोंगक डॉ.  
सरोज तुमारा ने लक्षणों कि  
इराक्षणा में जातावत फिरने  
के लिए सर्दी के मौसम में रखें  
जब तक खड़ा जल की कामयाद करते हैं  
फिरना इसके लक्षण अद्यतीत महाराज  
जैसे हाँगरी व दृश्यमान महाराज का  
उल्लासण जो लिया जा सकता है  
फिरने लाये में अपनी की जब जड़  
से लाग दूसरी बायों का देखन नहीं  
जाता और तुम्हारे उत्तमकों का धारा इन  
सुन्दरों को लियों में दिलक्षण महाराज  
होता है।

इस प्रश्नावधारण में विवरणीत दो उपलब्धियाँ सिद्ध हैं, तो तीस के समान, तीस रुपकालीन कुपार युग, तीस विकासम् कामयोग, तीस अवधि विश्वास, तीस निरपेक्ष कुपार, तीस संस्कृत वाचक, तीस भारत यात्रा, तीस भ्रष्टवेद सिद्ध, तीस पात्रवासी युग, तीस वृत्तिवासी युग, सातीत अन्य विवरणीत ने अपने अपने संक्षेपित विवरणों में आधारावान दिये।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक     | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| हैलो हिसार         | 21.06.2023 | --           | --   |

### बेरोजगार व भूमिहीन युवा मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाएं : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया। इस प्रशिक्षण में हरियाणा प्रांत के विभिन्न जिलों जैसे

हक्की में मशरूम उत्पादन  
तकनीक पर व्यावसायिक  
प्रशिक्षण का समापन हुआ

अशिक्षित युवक व युवतियाँ इसे स्वरोजगार के रूप में अपना सकते हैं तथा सारा वर्ष भी मशरूम की उत्पादन को स्व-रोजगार के रूप में



विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या ढोंगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए

अपनाएं। उन्होंने बताया कि मशरूम एक संतुलित आहार है इसमें कई तरह के पौष्टिक तथा औषधीय गुण मौजूद होते हैं, जिसके फलस्वरूप इसके नियमित सेवन से मनुष्य में रोगों एवं विकारों से बचाव में सहायक होती है। मशरूम उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों का इस्तेमाल किया जाता है।

हिसार, फतेहाबाद, जींद, भिवानी, करनाल, पानीपत, रोहतक, रेवाड़ी के प्रशिक्षणार्थियों ने भी भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है। भूमिहीन, शिक्षित एवं